University in News on 19 September 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

रुचि — लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग की ओर से किए गए अध्ययन में सामने आया तथ्य

लखनवियों को भा रहे पाकिस्तानी धारावाहिक

आयुष तिवारी

लखनऊ। अपनी तहजीब के लिए दुनिया में मशहूर लखनवियों के दिलों में इन दिनों पाकिस्तान के धारावाहिक अपनी जगह बना रहे हैं। यहां के हर इलाके में इन टीवी सीरियल, शो और नाटकों को देखने वालों की तादाद बढ़ रही है। लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में परास्नातक के छात्र अमन वर्मा के शिक्षक डॉ. पवन कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में पाकिस्तानी धारावाहिकों, नाटकों और शो की भारतीयों के बीच बढ़ती लोकप्रियता विषय पर किए अध्ययन में यह तथ्य सामने आया है।

अमन ने इंदिरानगर, चौक, खदरा, अलीगंज, गोमतीनगर और आलमबाग में

राजधानी के हर इलाके में पाकिस्तानी नाटक, शो देखने वालों की बढ़ रही तादाद

स्नोबॉल सैंपलिंग (एक से पूछकर दूसरे के बारे में पता करना) अध्ययन किया है। इसमें सामने आया कि पाकिस्तानी धारावाहिकों की बढ़ती लोकप्रियता का कारण उनका निर्देशन, कहानी और ड्रेसिंग सेंस है। भारतीय दर्शक पाकिस्तानी फैमिली, रोमांटिक, सोशल, हिस्टॉरिकल, साइकोलॉजिकल और क्राइम ड्रामा काफी पसंद कर रहे हैं। अध्ययन में यह भी सामने आया कि हम और जियो टीवी के जरिये इन धारवाहिकों को आसानी से देखा जा रहा है। इससे पाकिस्तान की कला के दीवाने बढ़ते जा रहे हैं। हालांकि, वहां भी बॉलीवुड फिल्मों की धूम रहती है। (संवाद)

ये पाकिस्तानी सीरियल किए जा रहे पसंद

■ मेरे हमसफर ■ खुदा और मोहब्बत ■ जिंदगी गुलजार है ■ सुनो चंदा ■ कैसी तेरी खुदगर्जी ■ चुपके-चुपके

227 लोगों पर किया गया अध्ययन

समाजशास्त्र विभाग के शिक्षक डॉ. पवन कुमार मिश्रा ने बताया कि छात्र ने पुराने व नए लखनऊ के अलग-अलग इलाकों में स्नोबॉल सैंपलिंग की है। अमन ने फरवरी से अप्रैल के बीच 227 लोगों से बातचीत की। पाकिस्तानी धारावाहिकों को देखने वालों में 35 वर्ष से कम और 50 साल से अधिक आयु के 50-50 फीसदी पुरुष व महिलाएं थीं।

सादगी और संस्कृति की झलक

“पाकिस्तानी धारावाहिक सादगी से भरे और फूहड़ता से दूर हैं। उनका ड्रेसिंग सेंस, अभिनय का तरीका एकदम अलग है। उसमें भारतीय संस्कृति की झलक नजर आती है। वहां के किसी भी टीवी सीरियल्स, नाटकों व शो में लड़कियां बुर्के में न के बराबर दिखती हैं। उनके बोलने का लहजा पंजाबी और भाषा लखनऊ व अलीगढ़ जैसी ही है।
– डॉ. पवन कुमार मिश्रा (समाजशास्त्र विभाग)

छात्रों ने समझी ब्लॉकचेन की उपयोगिता

लखनऊ। लविवि के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में सोमवार को एक्सप्लोरिंग वेब 3 विद पॉलीगन विषय पर सेमिनार हुआ। मुख्य वक्ता सॉफ्टवेयर इंजीनियर आयुष भदौरिया ने छात्रों से वेब 3 की नई टेक्नोलॉजी कंसेसन्स, प्रूफ ऑफ वर्क, प्रूफ ऑफ स्टेट, स्मार्ट कांट्रैक्ट, एनएफटी, ब्लॉकचेन माइनिंग के अनुप्रयोगों की चर्चा की। वेब 3 सिक्योरिटी के रिसर्चर राहुल सक्सेना ने बिटकॉइन, एथेरियम, फ्लैश लोन, ओरेकल मैन्युपुलेशन इनोवेशन के बारे में बताया। कहा कि ब्लॉकचेन में सारा बिजनेस डाटा एंड टू एंड गारंटीड इंक्रिप्टेड होता है। यह डाटा से संबंधित धोखाधड़ी और अवैध गतिविधियों को रोकने में मदद करता है। (संवाद)

बीटेक, बीएससी के परीक्षा परिणाम घोषित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने सोमवार को सात पाठ्यक्रमों के परीक्षा परिणाम जारी किए। विद्यार्थी विवि की वेबसाइट पर विस्तृत परिणाम देख सकते हैं। बीएससी चौथे सेमेस्टर और बीटेक दूसरे सेमेस्टर के छह विषय के रिजल्ट घोषित किए गए हैं। (संवाद)

NBT PAGE 4

LU में प्रबंधन के छात्र पढ़ सकेंगे फ्रेंच और जर्मन

■ **एनबीटी सं, लखनऊ :** एलयू में बीबीए के स्टूडेंट्स फ्रेंच और जर्मन पढ़ सकेंगे। वहीं एमबीए के विद्यार्थियों को सुपर स्पेशलाइज्ड कोर पेपर देना होगा। हाल में हुई एकेडमिक काउंसिल की बैठक में इसे मंजूरी मिली है। एलयू के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि एलयू न्यू कैंपस स्थित आईएमएस में स्नातक के स्टूडेंट्स विदेशी भाषाएं पढ़ सकेंगे। बीबीए के स्टूडेंट्स को तीसरे सेमेस्टर में फ्रेंच या जर्मन में से किसी एक विषय को चुनकर पढ़ना होगा। वहीं एमबीए तृतीय और चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों को चुनी हुई स्ट्रीम में सुपर स्पेशलाइज्ड कोर पेपर देना होगा। इसके क्रेडिट जुड़ेंगे।

आर्किटेक्चर के पीजी कोर्सों में सीधे दाखिला 25 तक

■ **एनबीटी सं, लखनऊ :** एकेटीयू के आर्किटेक्चर संकाय में पीजी पाठ्यक्रमों में स्टूडेंट्स के लिए सीधे दाखिला लेने का मौका है। संकाय में मास्टर ऑफ आर्किटेक्चर, मास्टर ऑफ आर्किटेक्चर एनवायरमेंटल डिजाइन और मास्टर ऑफ आर्किटेक्चर इंटीरियर डिजाइन कोर्स संचालित हैं। प्रवेश समन्वयक आर्किटेक्चर ताबिश अहमद अब्दुल्लाह ने बताया कि तीनों कार्यक्रमों में 20-20 सीटें हैं। 25 सितंबर तक आवेदन कर सकते हैं।

बीफार्मा स्टूडेंट्स के लिए सर्टिफिकेट कोर्स 25 से

एकेटीयू में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट विभाग और वाईबीआई फाउंडेशन की ओर से ऑनलाइन पर्सनालिटी डिवेलपमेंट सर्टिफिकेट कार्यक्रम 25 सितंबर से निःशुल्क शुरू होगा।

एमटेक के लिए 26 तक आवेदन का मौका

एकेटीयू में सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज (कैश) के एमटेक पाठ्यक्रम में अब 26 सितंबर तक आवेदन किया जा सकता है। एमटेक की 90 सीटों के लिए आवेदन जारी हैं।

JAGRAN CITY PAGE III

हास्टल आवंटन के लिए 21 तक मांगे आवेदन

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने एम.ए, एम.काम, एम.एससी (सभी विषय) तथा अन्य मास्टर कोर्सेज, एम.बीए/एम.टीटीएम, एम.एफए, एम.वीए, बी.पीएड, एल.एलबी, एल.एलएम प्रथम सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं से हास्टल के लिए 21 सितंबर तक आवेदन मांगे हैं। विस्तृत जानकारी वेबसाइट पर अपलोड की गई है।

चीफ प्रोवोस्टर प्रोफेसर अनूप कुमार सिंह के अनुसार हास्टल आवंटन की पूरी प्रक्रिया एचएमएस ऐप पर आनलाइन हो रही है। आवेदन करने वाले विद्यार्थियों को एडमिशन में प्राप्त मेरिट के आधार पर नियमानुसार आरक्षण लगाते हुए हास्टल आवंटन किया जाएगा। यदि किसी विद्यार्थी को आवेदन करने में कोई भी समस्या आती है तो वह पोर्टल पर उपलब्ध हेल्पडेस्क में शिकायत कर सकता है, जिसका निस्तारण 24 घंटे के अंदर किया जाएगा।

बी.एससी., बी.टेक. परीक्षा के परिणाम जारी

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने बी.एससी. व बी.टेक. सेमेस्टर परीक्षा के परिणाम जारी कर दिए हैं। इनमें बी.एससी. एनईपी चौथे, बी.टेक. सिविल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग दूसरे सेमेस्टर के परिणाम शामिल हैं। छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर परिणाम देख सकते हैं। (जासं)

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू में प्रबंधन छात्र अब फ्रेंच और जर्मन पढ़ सकेंगे

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में अब बीबीए के छात्र फ्रेंच और जर्मन भाषा भी पढ़ सकेंगे। एमबीए के विद्यार्थियों को सुपर स्पेशलाइज्ड कोर पेपर देना होगा। 12 को एकेडमिक काउंसिल की बैठक में इसकी मंजूरी दे दी गई।

एलयू नवीन परिसर आईएमएस में स्नातक के छात्र-छात्राएं विदेशी भाषाओं को पढ़ सकेंगे। बीबीए के छात्र-छात्राओं को तीसरे सेमेस्टर में फ्रेंच या जर्मन में एक विषय चुनना होगा। विषय को नॉन क्रेडिट में रखा गया है। एमबीए तृतीय, चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों को चुनी स्ट्रीम में सुपर स्पेशलाइज्ड कोर पेपर देना होगा,

जिसके क्रेडिट जोड़े जाएंगे। छात्र मार्केटिंग, एचआर, बिजनेस समेत अन्य स्ट्रीम चुन सकेंगे।

साइबर सुरक्षा, मास कम्युनिकेशन बंद : एलयू में साइबर सुरक्षा में पीजी डिप्लोमा, एमएससी मास कम्युनिकेशन एंड साइंस टेक्नोलॉजी कार्यक्रम नहीं चलेगा।

i-NEXT PAGE 4

स्टूडेंट्स ने जानी वेब 3 व ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी

लखनऊ यूनिवर्सिटी में सोमवार को अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के कोडिंग क्लब ने एक्सप्लोरिंग वेब 3 विद पॉलीगॉन विषय पर सेमिनार कराया. इस सेमिनार में वेब 3 और ब्लॉकचेन तकनीक की नवीनतम एप्लिकेशंस का मेडिकल, ई-कॉमर्स, फाइनेंस जैसे क्षेत्रों में बढ़ते प्रभावों के बारे में विस्तार से चर्चा की गई. एलयू के इंजीनियरिंग व टेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट के डीन प्रोफेसर एके सिंह ने कार्यक्रम की शुरुआत की. कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पॉलीगॉन कंपनी के सॉफ्टवेयर इंजीनियर आयुष भदौरिया ने वेब 3 की नई टेक्नोलॉजी जैसे कंसेसन्स, प्रूफ आफ वर्क, प्रूव आफ स्टेट, स्मार्ट कांट्रैक्ट, एनएफटी, ब्लॉकचेन माइनिंग के अनुप्रयोगों के बारे में बताया. दूसरे वक्ता पॉलीगॉन वेब 3 सिक्योरिटी के रिसर्चर राहुल सक्सेना ने वेब 3 सुरक्षा बिटकॉइन, एथेरियम, फ्लैश लोन, ओरेकल मैन्युपुलेशन जैसे वेब 3 इनोवेशन से छात्रों को जानकारी दी. कार्यक्रम का समापन डॉ. हिमांशु पांडेय ने किया. कोडिंग क्लब के छात्रों हर्षवर्धन सिंह, मृत्युंजय द्विवेदी, प्रियांशी राय, स्वप्निल राय, आस्था सेठ भी मौजूद रहे.

21 सितंबर तक हॉस्टल में प्रवेश

लखनऊ यूनिवर्सिटी ने पीजी कोर्सेज के स्टूडेंट्स के हॉस्टल आवंटन की डिटेल वेबसाइट पर जारी कर दी है. इन सभी कोर्स में दाखिले की तारीख 21 सितंबर है. लखनऊ यूनिवर्सिटी में एमए, एमकॉम, एमएससी (सभी विषय) व अन्य मास्टर कोर्सेज, एमबीए/एमटीटीएम, एमएफए/एमवीए, बीपीएड, एलएलबी, एलएलएम के प्रथम सेमेस्टर में प्रवेशित सभी विद्यार्थियों के हॉस्टल आवेदन संबंधी सूचना विवि की वेबसाइट पर उपलब्ध है. हॉस्टल आवंटन की पूरी प्रक्रिया एचएमएस ऐप पर ऑनलाइन हो रही है. प्रो. अनूप कुमार सिंह, मुख्य अभिरक्षक ने बताया कि आवेदन करने वाले विद्यार्थियों को एडमिशन में प्राप्त मेरिट के आधार पर नियमानुसार आरक्षण लगाते हुए हॉस्टल आवंटन किया जाएगा. यदि किसी विद्यार्थी को आवेदन करने में कोई भी समस्या आती है तो वह पोर्टल पर उपलब्ध हेल्पडेस्क में शिकायत कर सकता है जिसका निस्तारण 24 घंटे के अंदर कर दिया जाता है.

AMRIT VICHAR PAGE 4

प्रूफ ऑफ वर्क और स्मार्ट कांट्रेक्ट के बारे में बताया

अमृत विचार, लखनऊ : लविवि में आयोजित एक्सप्लोरिंग वेब 3 विद पॉलीगॉन विषय पर आयोजित सेमिनार में पॉलीगॉन कंपनी के सॉफ्टवेयर इंजीनियर आयुष भदौरिया ने वेब 3 की नई टेक्नोलॉजी जैसे कंसेसन्स, प्रूफ ऑफ वर्क, प्रूफ ऑफ स्टेट, स्मार्ट कांट्रेक्ट, एनएफटी, ब्लॉकचेन माइनिंग के अनुप्रयोगों के बारे में जानकारी दी। पॉलीगॉन वेब3 सिक्योरिटी के रिसर्चर राहुल सक्सेना ने बिटकॉइन, एथेरियम, फ्लैश लोन, ओरेकल मैन्युपुलेशन जैसे वेब3 इनोवेशन के बारे में छात्रों को जानकारी दी। कार्यक्रम में डॉ. हिमांशु पांडेय, प्रो. एके सिंह के अलावा हर्षवर्धन सिंह, मृत्युंजय द्विवेदी, प्रियांशी राय, स्वप्निल राय, आस्था सेठ आदि मौजूद रहे।

हॉस्टल आवंटन के लिए अंतिम तिथि 21 तक

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में एमए, एम कॉम, एमएससी और अन्य मास्टर कोर्सेज के अलावा एमबीए/एमटीटीएम, एमएफए/एमवीए, बीपीएड, एलएलबी, एलएलएम के प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने वाले सभी छात्रों के हॉस्टल आवेदन की सूचना विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। हॉस्टल के आवेदन की अंतिम तिथि 21 है। प्रो. अनूप कुमार सिंह ने बताया कि आवेदन करने वाले विद्यार्थियों को एडमिशन में प्राप्त मेरिट के आधार पर नियमानुसार आरक्षण लगाते हुए हॉस्टल आवंटन किया जाएगा। यदि किसी विद्यार्थी को आवेदन करने में कोई भी समस्या आती है तो वह पोर्टल पर उपलब्ध हेल्पडेस्क में शिकायत कर सकता है।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

एक्सप्लोरिंग वेब ३ विद पॉलीगॉन पर सेमिनार आयोजित

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के मार्गदर्शन में कोडिंग क्लब ने एक्सप्लोरिंग वेब 3 विद पॉलीगॉन विषय पर सेमिनार का सफल आयोजन किया। जिसमें वक्ताओं ने वेब 3 और ब्लॉकचेन तकनीक की नवीनतम एप्लिकेशन्स का मेडिकल, ई-कॉमर्स, फाइनेंस जैसे क्षेत्रों में बढ़ते प्रभावों के बारे में विस्तार से चर्चा की। लविवि के अभियांत्रिकी और तकनीकी संकाय के डीन प्रो.एके सिंह द्वारा अतिथि वक्ताओं के सम्मान में एक औपचारिक गुलदस्ता पेशकर कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पॉलीगॉन कंपनी के सॉफ्टवेयर इंजीनियर आयुष भदौरिया ने वेब 3 की नई टेक्नोलॉजी जैसे कंसेसन्स, प्रूफ ऑफ वर्क, प्रूफ ऑफ स्टेट, स्मार्ट कांट्रैक्ट, एनएफटी, ब्लॉकचेन माइनिंग के अनुप्रयोगों के बारे में विस्तार से चर्चा की। दूसरे वक्ता पॉलीगॉन वेब 3 सिक्योरिटी के रिसर्चर राहुल सक्सेना ने वेब 3 सुरक्षा पर अपनी विशेषज्ञता साझा की। बिटकॉइन, एथेरियम, फ्लैश लोन, ओरेकल मैन्युपुलेशन जैसे वेब 3 इनोवेशन से छात्रों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार ब्लॉकचेन में सारा बिज़नस डाटा एंड टू एंड गारंटीड इंक्रिप्टेड होता है एवं ये डेटा से सम्बन्धित धोखाधड़ी और अवैध गतिविधियों को रोकने में मदद करता है। अगले वक्ता के रूप में एअरलिफ्ट के संस्थापक रचित मेगन ने ब्लॉकचेन की ऐतिहासिक प्रगति और भविष्य के लिए इसकी क्षमता पर चर्चा की। उन्होंने ब्लॉकचेन की उपयोगिता बताते हुए छात्रों को बताया कि किस प्रकार सरकार एवं पुलिस प्रशासन मिलकर ब्लॉकचेन की मदद से एफआईआर रजिस्टर करने की टेस्टिंग कर रही है, जिससे किसी भी प्रकार का डेटा मैनुपुलेशन ना हो सके, चिकित्सा के क्षेत्र में भी ब्लॉकचेन की उपयोगिता को उन्होंने विस्तार से समझाया।कार्यक्रम के समापन में डॉ. हिमांशु पांडेय ने कहा कि वेब 3 के साथ जुड़कर हमारे छात्र नये कैरियर अवसरों के लिए तैयार हो सकेंगे और वैश्विक नवाचार में योगदान दे सकेंगे। इस कार्यक्रम का सफल आयोजन कोडिंग क्लब के छात्रों हर्षवर्धन सिंह, मृत्युंजय द्विवेदी, प्रियांशी राय, स्वप्निल राय, आस्था सेठ द्वारा किया गया।

LOKSATYA PAGE 2

एलयू के एक्सप्लोरिंग वेब 3 विद पॉलीगॉन पर सेमिनार

लखनऊ, लोकसत्य। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के मार्गदर्शन में कोडिंग क्लब द्वारा एक्सप्लोरिंग वेब 3 विद पॉलीगॉन विषय पर सेमिनार का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। जिसमें वक्ताओं ने वेब 3 और ब्लॉकचेन तकनीक की नवीनतम एप्लिकेशन्स का मेडिकल, ई-कॉमर्स, फाइनेंस जैसे क्षेत्रों में बढ़ते प्रभावों के बारे में विस्तार से चर्चा की। एलयू के अभियांत्रिकी और तकनीकी संकाय के डीन प्रो एके. सिंह द्वारा अतिथि वक्ताओं के सम्मान में एक औपचारिक गुलदस्ता प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई।मुख्य वक्ता पॉलीगॉन कंपनी के सॉफ्टवेयर इंजीनियर आयुष भदौरिया ने वेब 3 की नई टेक्नोलॉजी जैसे कंसेसन्स, प्रूफ आफ वर्क, प्रूफ आफ स्टेट, स्मार्ट कांट्रैक्ट, एनएफटी, ब्लॉकचेन माइनिंग के अनुप्रयोगों के बारे में विस्तार से चर्चा की।दूसरे वक्ता पॉलीगॉन वेब3 सिक्योरिटी के रिसर्चर राहुल सक्सेना ने वेब 3 सुरक्षा पर

TOI PAGE 3

CITY NUGGET

LU's JOURNEY FROM SCHOOL TO UNIVERSITY

A small primary school of the colonial era, that started in a two-room house in the narrow lanes of Khayaliganj, Aminabad, is now a state university – the University of Lucknow. LU's origin can be traced to a modest school founded in 1864 in Amin-ud-Daulah Palace, Aminabad. In 1862, the first viceroy of British India Charles John Canning breathed his last in London. Around 4,500 miles away, loyal taluqdars in Awadh decided to start an academic institution in his memory. LU, which formally became a university in 1920, sprawls over 225 acres in Hasanganj